पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून शुक्रवार 25 सितंबर 2020 पेज 8

डॉसर व कोरियोग्राफर राघव जुयाल वेब टॉक के दौरान।

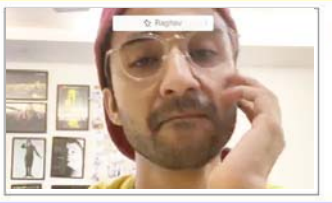

मोदी सरकार किसानों की सबसे बड़ी हितैषी

कृषि विधेयक

■कृषि विधेयकों से किसानों की दशा और दिशा में क्रांतिकारी बदलाव आएंगेः सीएम

संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार किसानों की सबसे बड़ी हितैषी सरकार है। संसद में सरकार द्वारा पारित कराए गए कृषि विधेयकों से किसानों की दशा और दिशा में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। इन विधेयकों में ऐसी व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे किसान स्वयं अपनी उपज को अच्छी कीमतों पर मंडी में या मंडी के बाहर कहीं भी बेच सकेगा। इसमें बिचौलियों की भूमिका खत्म कर दी गई हैं। यानि जो मुनाफा किसान से बिचौलिये उठाते थे, वो पैसा अब सीधा किसान की जेब में जाएगा। इन कृषि विधेयकों से एक राष्ट्र एक बाजार की संकल्पना को मजबूती मिल रही है। किसान अब सीधे बाजार से जुड़ सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग किसानों को बरगलाने और उकसाने का काम कर रहे हैं। उनसे झूठ बोला जा रहा है। परंतु किसानों को स्वयं इन कृषि सुधारों को समझना चाहिए। उन्हें अच्छी तरह मालूम है कि प्रधानमंत्री की सोच सदैव किसानों के कल्याण के लिए रही है। इसी सोच के साथ ये सुधार किए गए हैं। यह बात मुख्यमंत्री ने सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी हमेशा से किसानों के हितैषी रहे हैं। वे जब गुजारत के सीएम थे तो उन्होंने वहां किसानों के लिए 7 घंटे नियमित और निश्चित बिजली की व्यवस्था की। उन्होंने कृषि महोत्सवों की शुरूआत की। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी किसान हमेशा उनकी प्राथमिकताओं में रहे। उनकी सरकार में गांव, गरीब और किसानों का सबसे पहले ख्याल रखा गया है। वर्ष 2009 में यूपीए की सरकार में कृषि मंत्रालय का बजट केवल 12 हजार करोड़ रूपए था जो आज कई गुना बढ़ाकर 1 लाख 34 हजार करोड़ किया गया है। पहले कभी भी केंद्र सरकार एक साल में 75 हजार करोड़ रूपए किसानों के हित में खर्च नहीं कर पाई थी। लेकिन मोदी सरकार ने यह मुमकिन कर दिया। पीएम किसान योजना से अब तक 92 हजार करोड़ रूपए सीधे डीबीटी के माध्यम से किसानों के खाते में पहुंच चुके हैं।

सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत पत्रकार वार्ता के दौरान।

वर्ष 2015–16 में धान का एमएसपी 1410 कुंतल था जो आज 1925 रू कुंतल हो गया है। गेहूं की एमएसपी में रू 50 कुंतल की वृद्धि हुई है। पहले रू 1925 कुंतल थी अब रू 1975 प्रति कुंतल हो गई। चने की एमसएसपी में रू 225 कुंतल की वृद्धि हुई। पहले रू 4875 कुंतल थी अब रू 5100 प्रति कुंतल हो गई। जौ की एमएसपी में रू 75 प्रति कुंतल की वृद्धि हुई है। पहले रू 1525 प्रति कुंतल थी अब रू 1600 प्रति कुंतल हो गई। मसूर की एमएसपी में रू 300 कुंतल की वृद्धि हुई है। पहले रू 4800 कुंतल थी अब रू 5100 कुंतल हो गई। सरसों की एमएसपी में रू 225 कुंतल की वृद्धि हुई है। पहले रू 4425 कुंतल थी अब रू 4650 प्रति कुंतल हो गई।

किसानों का हित तलाशा

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने कृषि अवसंरचना के लिए 1 लाख करोड़ के पैकेज की घोषणा की है। इसमें मत्स्य पालन के लिए 20 हजार करोड़, पशुपालन के लिए 15 हजार करोड़, हर्बल खेती के लिए 4 हजार करोड़, फूड प्रोसेसिंग के लिए 1 हजार करोड़ रूपए का पैकेज स्वीकृत किया है। यूपीए के समय किसानों को 8 लाख करोड़ का कर्ज मिलता था, आज 15 लाख करोड़ का ऋण सालाना दिया जा रहा है। यूपीए के समय स्वामीनाथन आयोग ने कृषि कल्याण के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए थे, लेकिन उस समय इन्हें लागू नहीं किया गया। आज मोदी सरकार ने न सिर्फ स्वामीनाथन रिपोर्ट के सुझावों को लागू किया बल्कि उसमें और अधिक प्रावधान जोड़कर किसानों का हित तलाशा है। इसी प्रकार मोदी सरकार में विभिन्न फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य काफी बढ़ाया गया है।

देश का 4.34 लाख टन अनाज बर्बाद

खुलासा

■ भारतीय खाद्य निगम द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ खुलासा

सर्वाधिक 97113 टन वर्ष 2004-05 व सबसे कम 1930 टन वर्ष 2019-20 में अनाज बर्बाद हुआ

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कोरोना काल में भी वर्ष 2020–21 में अप्रैल से जुलाई 2020 तक 1521 टन खाद्य अनाज बर्बाद हुआ है जबकि वर्ष 2019–20 में पूरे वर्ष में 1930 टन अनाज ही बर्बाद हुआ था। उपलब्ध आंकड़ों में सर्वाधिक 97113 टन अनाज वर्ष 2004–05 में तथा 95075 टन वर्ष 2005–06 में बर्बाद हुआ है। तीसरे स्थान पर वर्ष 2003–04 में 76262 टन अनाज बर्बाद हुआ है।

देहरादून। **संवाददाता**

एक ओर देश में बड़ी जनसंख्या कुपोषण तथा भूख से त्रस्त है वही दूसरी ओर भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में लाखों टन अनाज बर्बाद हो रहा है। वर्ष 2003–04 से 2020–21 (जुलाई तक) कुल 4 लाख 34 हजार 638 टन खाने का अनाज बर्बाद हो चुका है। यह खुलासा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट को भारतीय खाद्य निगम द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने भारत सरकार के खाद्य विभाग से देश में अनाज की बर्बादी व खराब होने के वर्षवार आंकड़ों के विवरण की सूचना मांगी थी इसके उत्तर में भारतीय खाद्य निगम के मुख्यालय के केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी/उप महा प्रबंधक (गु. नि.) संजीव कुमार ने अपने पत्रांक 29 दिनांक 18–08–2020 से वर्ष 2003–04 से जुलाई 2020 तक के उपभोग जारी होने योग्य न रहने वाले खाद्य अनाजों के वर्षवार आंकड़े उपलब्ध कराये है।

नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार वर्ष 2003–04 से 2020–21 (31 जुलाई 2020) तक कुल 4 लाख 34 हजार 638 टन देश का अनाज बर्बाद हुआ है व जारी होने या उपभोग योग्य नहीं रहा है जबकि सबसे कम अनाज 1930 टन वर्ष 2019–20 में बर्बाद हुआ है।

नदीम ने बताया कि यह आंकड़े केवल भारतीय खाद्य निगम के द्वारा किसानों से खरीदे गये खाने के अनाजों की वर्ष 2003–04 से 17 वर्षों की बर्बादी के है। अन्य स्थानों पर व पहले हुई अनाज की बर्बादी के आंकड़े तो उपलब्ध ही नहीं कराये गये हैं। इसकी सूचना के लिये अपील की गयी है।

निकायों में सुविधाओं के विकास में तेजी लाने की जरूरत

संवाददाता देहरादून। मुख्य सचिव ओम प्रकाश ने गुरूवार को सचिवालय में सचिव आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार दुर्गा शंकर मिश्रा द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत कार्यों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ली गयी समीक्षा बैठक में प्रतिभाग किया। सचिव, भारत सरकार दुर्गा शंकर मिश्रा ने कहा कि बढ़ते जनसंख्या घनत्व के अनुरूप, निकायों द्वारा सुविधाओं के विकास में तेजी लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत, हाउसिंग फॉर ऑल, अमृत एवं स्मार्ट सिटी आदि योजनाओं के माध्यम से नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध कराना भारत सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने समस्त निकायों को खुले में शौच मुक्त घोषित होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब तेजी से निकायों को ओडीएफ प्लस एवं ओडीएफ प्लस प्लस कैटेगरी में लाने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

पंडित दीनदयाल उनका सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा के लिये समर्पित रहा

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती की पूर्व संध्या पर उनका भावपूर्ण स्मरण किया है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि पं. दीन दयाल उपाध्याय जी ने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद मंत्र और समाज सेवा जैसी प्रगतिशील विचारधारा दी। उनका सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा के लिये समर्पित रहा है। पं.दीन दयाल जी न सिर्फ एक महान चिंतक, विचारक और दार्शनिक होने के साथ ही एक योग्य राजनेता और कुशल पथ प्रदर्शक भी थे।

भाजपा मंडल प्रशिक्षण वर्ग 10 अक्तूबर से 10 नवम्बर तक

संवाददाता देहरादून। भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार उत्तराखंड में मंडल स्तर के प्रशिक्षण वर्ग 10 अक्तूबर से 10 नवम्बर तक होंगे। इन प्रशिक्षण वर्गों को लेकर प्रदेश स्तरीय एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत की अध्यक्षता में देहरादून में होगी । बैठक के बारे में प्रतिभागियों के बारे में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजय कुमार ने सभी जिलाध्यक्षों को पत्र जारी करते हुए निर्देशित किया है कि वे अपने जिले के प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ देवेंद्र भसीन ने बताया कि भाजपा की विचार धारा, रीतिनीति , कार्यपद्धति व केंद्र व प्रदेश की उपलब्धियों के बारे में मंडल तक के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए 10 अक्तूबर से 10 नवम्बर तक दो दिवसीय मंडल स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग उत्तराखंड में आयोजित किए जा रहे हैं।

कोरियोग्राफर राघव जुयाल ने दून वर्ल्ड स्कूल के छात्रों को दिए सफलता के टिप्स

संवाददाता देहरादून। राघव जुयाल जो कि प्रसिद्ध डॉसर, कोरियोग्राफर, अभिनेता और टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता है, वे स्लो मोशन में अपनी असाधारण डांस, चाल और स्लो मोशन वॉक के लिए किंग ऑफ स्लो मोशन डॉसर के रूप में भी लोकप्रिय हैं, उनके द्वारा देहरादून स्थित दून वर्ल्ड स्कूल के छात्रों के साथ वेब टॉक के माध्यम से सफलता के मंत्रो के बारे में चर्चा की और छात्रों के सवालों के भी उत्तर दिए। इस वेब टॉक की परिचर्चा का मुख्य विषय प्रोफेशनल तथा व्यक्तिगत जीवन में सफलता कैसे प्राप्त कर सकते हैं रखा गया था। इस पर चर्चा करते हुये राघव जुयाल ने छात्रों को बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को बहुत अनुशासित और मोटिवेटेड होना पड़ता है। तभी व्यक्ति अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०-
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।